उत्साह का उत्कर्ष रहा काशीयात्रा का 'मिराज'

वाराणासी। आईआईटी बीएचयू में चल रहे वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'काशी यात्रा-2019 ' में शुक्रवार को प्रतिभागियों ने फैशन शो मिराज के फाइनल मुकाबले धमाल रहा। बालीवुड गीतों के बीच रैंप पर उतरे प्रतिभागी तो आईआईटी का एडीवी ग्राउंड तालियों से गूंज उठा। अलग-अलग अंदाज के साथ प्रतिभागियों ने लोगों का दिल जीतने की कोशिश की। मिस्टर और मिस काशी यात्रा का फाइनल मुकाबला जोरदार रहा। इसमें आईआईटी बीएचयू, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, एनआईएफटी हैदराबाद आदि के प्रतिभागियों ने भाग लिया। हालांकि परिणाम जारी नहीं किया गया। मिस इंडिया रनरअप श्रुति कृष्णा और एनआईएफटी हैदराबाद से यशस्वी ने निर्णायक की भूमिका रही।

प्रतियोगिता में टीम अचीर्ता पहले स्थान पर रही। शंकरा व मेलोमईंड टीम

कार्यक्रम

मिस्टर और मिस काशीयात्रा का रिजल्ट जारी नहीं हुआ

क्रमशः दूसरे-तीसरे स्थान पर रही। राजपूताना ग्राउंड में स्ट्रीट डांस कंपटीशन में बनारस, लखनऊ, दिल्ली आदि संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने ठुमके लगाए। अपनी कला के प्रदर्शन से एक दूसरे को कड़ी टक्कर देने की कोशिश की। कोरियोग्राफर नीरज यादव और साहिल यादव निर्णायक रहे। वहीं, राग समर में सधे सुरों से जादू भी बिखेरा। इसमें अलग-अलग संस्थानों की 18 टीम से 82 प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वतंत्रता भवन में रॉक बैंड की धुन पर लोग थिरक उठे। बीस जनवरी तक चलने वाले महोत्सव में शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरूआत राजपताना ग्राउंड में नुक्कड़ हुल्लड़ से हुई। इसमें आईआईटी बीएचयू, लखनऊ विश्वविद्यालय, आईटी कॉलेज लखनऊ, इंदौर सहित अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने नाटक का मंचन किया। आईआईटी बीएचयू को पहला स्थान, एनआईटी एम को दूसरा और अक्रापॉलिस इंदौर की टीम तीसरे नंबर पर रही। नुक्कड़ नाटक से जाति संबंधी भेदभाव, महिला हिंसा जैसी बुराइयों की पीड़ा को दर्शाया। उधर, कला प्रतियोगिता तूलिका में प्रतिभागियों ने हुनर दिखाया। इसमें सोप कोविंग, स्केचिंग, इंक इट लाइव में डिजाइन बनाए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतियोगियों ने अपनी बात दमदारी से रखी। रचनात्मक लेखन में आईआईटी बीएचयू, कानपुर, लखनऊ विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शिव मय पोशाक में माडल और उनकी टीम